ग्रेटर नोएडा में होगा अंतर्राष्ट्रीय अभधिम्म दविस कार्यक्रम का आयोजन

चर्चा में क्यों?

5 अक्टूबर, 2022 को उत्तर प्रदेश के संस्कृति मंत्रालय ने राज्य के ग्रेटर नॉएडा के गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय (जीबीयू) में नौ अक्टूबर को आयोजित होने वाले अंतर्राष्ट्रीय अभधिम्म दविस कार्यक्रम होने की जानकारी दी।

प्रमुख बिंदु

- जानकारी के अनुसार राज्य सरकार के संस्कृति मंत्रालय के द्वारा अंतर्राष्ट्रीय अभधिम्म दविस कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा।
- बुद्ध धर्म के अनुयायी करीब 20 देशों के प्रतिनिधि और राजदूत के कार्यक्रम में शामिल होने की संभावना है तथा गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय (जीबीयू) के कुलाधिपति व राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी इस कार्यक्रम में शामिल होंगे।
- अंतर्राष्ट्रीय अभधिम्म दविस के मौके पर वियतनाम, लाओस, कंबोडिया, थाईलैंड, चीन, दक्षिण कोरिया, भूटान, ताइवान, रोमानिया, कोरिया, अफगानिस्तान, नेपाल, मंगोलिया, म्यांमार, श्रीलंका और अमेरिका के प्रतिनिधि शामिल हो सकते हैं। इन्हीं देशों के सर्वाधिक छात्र गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में पढ़ाई करने के लिये आते हैं।
- उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बनने के बाद योगी आदित्यनाथ ने 2017 में पहली विदेश यात्रा बुद्ध धर्म के अनुयायी म्यांमार (बर्मा) की ही की थी।
- गौरतलब है कि भगवान बुद्ध के नाम पर देश का इकलौता विश्वविद्यालय गौतम बुद्ध नगर ज़िले में है। राज्य के साथ देश के विभिन्न विश्वविद्यालय में बुद्ध स्टडीज की पढ़ाई होती है, लेकिन विदेशी छात्रों का सर्वाधिक रुझान गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय को लेकर है। वर्तमान में 15 देशों के छात्र बौद्ध स्टडीज के लिये प्रतिवर्ष गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय का रुख करते हैं।
- एनसीआर में भी गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय बुद्धिस्ट का केंद्र है। बुद्ध स्टडीज का केंद्र पूर्व में दिल्ली में था, लेकिन गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में संचालित विभिन्न कोर्स, बुद्ध संकाय के साथ बौद्ध स्टडीज में बीए, एमए, पीएचडी, बौद्ध पर्यटन, पालि भाषा व साहित्य में डिप्लोमा सर्टिफिकेट कोर्स के कारण छात्रों में इसके प्रति रुझान अधिक है।
- ज्ञातव्य है कि अभधिम्म दविस असल में बौद्ध भिक्षुओं के लिये तीन महीने की वर्षा वापसी (वर्षावास या वासा की समाप्ति का प्रतीक) है, जिसके दौरान वे एक स्थान पर रहते हैं और प्रार्थना करते हैं। अभधिम्म दविस ज्यादातर उन देशों में मनाया जाता है, जहाँ की अधिकांश आबादी बौद्ध धर्म की अनुयायियों की हैं। मान्यता के अनुसार, इसी दिन भगवान बुद्ध स्वर्ग से पृथ्वी पर वापस आए थे।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/international-abhidhamma-day